Moving Every Mile With A Smile

संवाद

Maheshwari Logistics Limited

Coal • Logistics • Paper

October - December 2019
ISSUE 6

अपि मेरुसमं प्राज्ञमपि शुरमपि स्थिरम् । तृणीकरोति तृष्णैका निमेषेण नरोत्तमम् ।।

Even if a man has stead, clever, brave mind like the Meru Mountain. Greed can damage him like grass in a matter of moments.

स्पर्श

संवाद में योगदान देने के लिए आप सभी का एक बार फिर से बहुत बहुत धन्यवाद। आप सभी इतने सुंदर व ज्ञानवर्धक लेख भेज रहे हैं जिनको पढ़ कर मुझे बहुत अच्छा लगता है व काफी कुछ सीखने को भी मिलता है।

मुझे लगता है सभी लोग जो संवाद पढ़ते हैं उनका अनुभव भी कुछ ऐसा ही होगा।

हमने जिस उद्देश्य से संवाद को चालू किया वो फलीभूत तो हो रहा है परंतु पूरा नहीं हो पा रहा है क्यूँकि हम इसके माध्यम से अपने परिवारों के सदस्यों को भी जोड़ना चाहते हैं। मैं सभी से अनुरोध करती हूँ कि आप लोग संवाद को घर पर ले कर जाएँ और घर के सभी सदस्यों को इसका हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करें।

संवाद का एक हिस्सा है खेल खेल में, जिसमें बच्चे काफ़ी उत्साह से भाग लेते हैं पर यहाँ ऐसा हो नहीं रहा है। उसके उत्तर काफ़ी कम लोग ही भेज रहे हैं।

इस बार बच्चों के लिए रंग भरो प्रतियोगिता रखी है और सबसे सुंदर तीन चित्र को सरप्राइज ईनाम दिया जाएगा व उनका नाम भी अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। व रिडल्स के सही जवाब देने वालों में जिसका नाम सबसे ज्यादा बार आएगा उसके लिए भी सरप्राइज ईनाम रखा जाएगा। तो आप लोग इसमें ज्यादा से ज्यादा भाग लीजिए।

कुछ हमारी मेहनत, कुछ आपका साथ ।
संवाद को आकर्षक बनाना, है हमारे हाथ ।।

Mukta Maheshwari
Editor - Samvad

समन्वय

साथियों,

मुझे बहुत हर्ष है कि इस बार मुझे संवाद के माध्यम से आप तक पहुँचने का मौका मिला है।

मुझे आज हमारे दादाजी, श्री जगन्नाथ जी काबरा, की कही हुई एक बात याद आती है, कि नाम सिर्फ़ पैसा कमाने और व्यापार बढ़ाने से ही नहीं होता है, हमारा व्यवहार दूसरों के साथ कैसा है उसका भी हमारे नाम पर बहुत फर्क पड़ता है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि कम्पनी का हर व्यक्ति कम्पनी का चेहरा है, और आप सब के अच्छे व्यवहार की वजह से आज कम्पनी का नाम इस मुक़ाम पर है।

अर्ध वार्षिक नतीजे आप सबने देखे होंगे। पिछले साल के मुकाबले इस साल के पहले छः महीनों में कम्पनी का कारोबार कुछ कम हुआ है। मैं आप से इतना कहना चाहूँगा कि इस मंदी के माहौल में हमें कमर कस कर काम करना होगा। अभी भी हमारे पास इस वित्तीय साल के ३ महीने बाकी हैं, जिसमें अगर हम पूरी मेहनत करें तो अपने इस साल के कारोबार को पिछले साल के बराबर या शायद उस से आगे ला सकते हैं।

मुझे ये बताते हुए प्रसन्नता है कि कम्पनी वेस्ट पेपर के व्यापार को बढ़ाने के लिए कानपुर और दिल्ली में नए कलेक्शन सेंटर खोलने जा रही है और जल्दी ही उत्तर भारत में अन्य कई जगह पर हम अपना व्यापार बढ़ाएँगे।

मत हारना तू कभी कोशिश करने से,
बड़े से बड़ा पर्वत भी हिल जाएगा ।
मत रुकना तू कड़ी मेहनत करने से,
फल तो अवश्य ही मिल जाएगा ।।

Varun Kabra
MD, Maheshwari Logistics Ltd.

Respected Muktaben - Editor & Neerajbhai - CEO.

First of all , please accept our congratulations for publishing such a nice and useful bulletin named SAMVAD by our co MLL. In fact this works as a BRIDGE between Top level officers and subordinate level of the co.

Muktaji... You have conveyed an excellent message of PARIYAVARAN to the society which can protect so many lives .Hatts of to you for such best thought sparked in your mind and appeal to people to implement... ***THIS IS CALLED SPARSH....***

Neerajji ...You have also conveyed to enthusiastic people/staffs to keep Goal and to see dreams and work in that line to be successed. ***THIS IS CALLED ...SAMANVAY...***

In short both have conveyed energetic messages.

Lastly May God give peace to the departed soul of past director Shri Rajendra Maniar Saheb.

Regards
Dinesh Turakhia
One of the shareholders of MLL

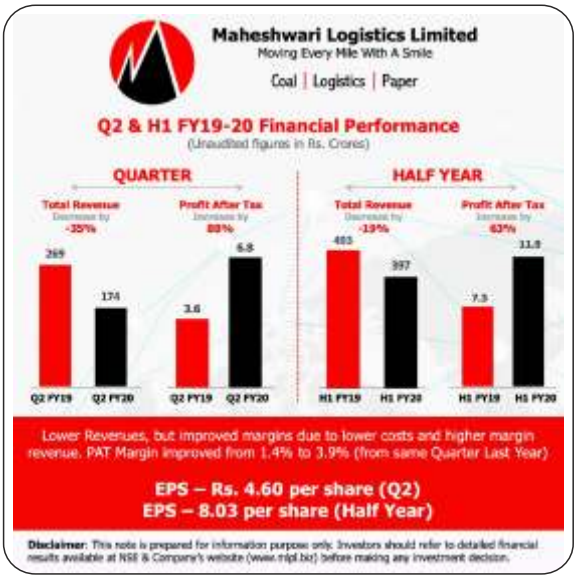

IN HOUSE TALENT

एक चिथड़ा सुख

सुबह सुबह घरों पर ब्राण्डेड ताले लगा कर, सपनों को कंधों पर लटकाए हुए, हम निकल पड़ते हैं सुख कमाने, और पीछे रह जाता है अकेला घर, इस इंतज़ार में कि हम सुखों के बोरे भर कर लौटेंगे ।

घर जिसे बनाया था हमने ईऐमआई चुका कर, उसकी बाहर निगरानी करती है नेम प्लेट ओहदों के साथ मिल कर। हम सुख की तलाश में सिटी बसों, मेट्रो और लोकल में, धकियाते रहते हैं इस कोने से उस कोने में उम्मीदों का बोझ उठाए हुए।

बचपन में भरे थे सपनों के रंग कि बड़े होने पर जिंदगी होगी सुंदर, मगर क्या पता था कि घड़ी भर मनचाही जिंदगी जीने के लिए, पूरी जिंदगी अनचाही बितानी पड़ेगी। पूरा दिन खपते हैं आफिसों, दुकानोंऔर ठेलों पर ताकि कमा सकें चंद सुख के सिक्के जिसे जेबों में भर कर लौट सकें मुस्कुराते हुए।

दिनभर झूठी मुस्कुराहटों को देख दुखने लगते हैं होंठ, साँझ होते ही थेलों में भरने लगती है गहन उदासी, और लेपटॉप में सेव हो जाता है दिन भर का बिखरा तनाव।

घर का ताला खुलता है चिंता की ताली से और घर में हमारे साथ ही घुस जाता है ऑफ़िस का अवसाद भी। जैसे ही खुलता है गेट तो पूरे दिन के इंतज़ार के बाद भी घर ख़ुश होता है कि हम लौटे होंगे ख़ुशियों के बोरे भर कर बिस्तर इंतज़ार करता है अब ख़ुशियाँ बिखरेंगी उसकी सलवटों पर, मगर जैसे ही बैग रख कर बिस्तर पर मरमरा कर ढहते हैं, बैग से बाहर लुढ़क आते हैं दुःख के सिक्के, और कोने में मिलता है तुड़ा मुड़ा हुआ एक चिथड़ा सुख ।

तब इसे देख चहनाओं की लम्बी चादर तान, घुटनों के बीच समेत लेते हैं उस उम्मीद को, जिसे गाँव में छोड़ शहर आए थे की जा कर सुख कमाएँगे ।

बलबीर सिंह राठोड़, निम्बाहेड़ा

पानी का कहर

कुदरत का ये कैसा कहर, पानी बनकर बरपा इस कदर
कोहराम हर तरफ धरती पर, आस्मां से बरसा ये कैसा ज़हर ।
बरसना इतना भी क्या ज़्यादा, तबाह सब कुछ करने पर आमादा
आखिर क्या है बौछारों का इरादा, क्यों तोड़ने पर तुली है अपनी मर्यादा।

जल मग्न धरती सर्वत्र हाहाकार, नग्न नृत्य करती नदियाँ प्रलयाकार
पानी का तूफान वर्षा मूसलाधार, नाले भी बने नद जिनका ना आरपार ।
जन जीवन पर प्रकृति का प्रहार, जल के जलजले से प्रलय के आसार
धरा ही निगल जाने को पानी तैयार, बूँदों ने धरा प्रचण्ड काल रूप जोरदार ।

सर सरोवर पोखर सब लबालब, वापी कूप तडाग तगड़े सब के सब
खिसकते पर्वत दरख्त सेतु समेत जब, सिहरती सृष्टि देखती पानी के करतब ।
बाढ़ की आड़ में इसने सब कुछ बहाया, शराफ़त छोड़ पानी ने रौद्र रूप बनाया
आफ़त बरसी आस्मान से किया सफ़ाया, शिव रूप पानी आज रूद्र रूप में आया ।

बादल फटे टूटे पानी जब पहाड़ों पर, प्रचण्ड वेग से बहे धाराएँ चिंघाड कर
रौख नाद दिल को दहला दे दहाड़ कर, उफनती नदियाँ बहें धरती का सीना फाड़ कर ।
कुछ तो होगा सोचा उसने ये संसार बनाया है जिसने
धरती को साफ़ सुथरा करने, क्या वो निकला है झाड़ू पोंछा करने ?

होगा धरा का अति दोहन छेदन जब,
क्षुब्ध प्रकृति करवट बदलेगी ही तब,
मनुष्य लालच भूख में अंधा होगा जब,
धरती संग उसको भी रोना होगा तब ।
दहशत दयनीय दशा में जो भी हो,
दिशा हीं लहरों पानी में जो फंसे हों,
उन्हें एक अदद सूखी ज़मीन नसीब हो,
कैलाश! दया कर! दीनों की इमदाद हो ।।

पं कैलाश शास्त्री
वापी

खाना खजाना

भरवाँ परवल

अनूप कुमार मंडल,
वापी

सामग्रीः- परवल, उबले हुए आलू, पनीर, हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन, प्याज, अदरक, टमाटर, नारियल, दही, हल्दी, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, साबुत गरम मसाला, साबुत जीरा, नमक

विधिः- परवल का ऊपरी हिस्सा छील लें। एक तरफ से चीरा लगा कर उसके बीज निकाल दें। एक कढ़ाई में तेल डाल कर उसमें परवल को तल लें।

परवल में भरने के लिए मसालाः- आलू व पनीर को कद्दूकस कर लें। हरी मिर्च, लहसुन, प्याज, अदरक को बारीक काट लें। कढ़ाई में थोड़ा तेल डाल कर गरम हो जाए तब जीरा डालें, फिर ऊपर लिखा सब समान डाल कर हल्दी, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, नमक डाल कर मसाला तैयार करें। इस मसाले को परवल में भर दें।

ग्रेवीः- टमाटर का पेस्ट बना लें, नारियल व दही को पीस कर पेस्ट बना लें। प्याज, अदरक, लहसुन, हरी मिर्च का पेस्ट बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें उसमें जीरा व साबुत गरम मसाले डालें, हल्दी, धनिया, मिर्च, नमक डाल कर थोड़ा पानी डालें, नारियल दही का पेस्ट डालें, फिर टमाटर का पेस्ट डालें। ग्रेवी तैयार हो जाए तो परवल इसमें डाल दें व ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डाल कर परोसें।

जय श्री श्याम

अखियाँ प्यासी हैं श्याम, तेरा दर्शन चाहिये,
लग जाऊँ तेरी सेवा में श्याम, ऐसा जीवन चाहिये।
जहाँ तेरी भक्ति करुँ, वो जगह खाटूधाम बन जाये,
जब भी मैं करुँ तुझे याद,
बस साक्षात् तू मुझे नजर आये !!...

योगेश पोद्दार,
अहमदाबाद द्वारा संकलित

आप अपने हुनर को इस पते पर भेज सकते हैं, या priyaupadhyaymlpl@gmail.com पर मेल कीजिए ।
Priyanka Dubey, MLL House, Shed No A2-3/2, Opp. UPL, 1st Phase, GIDC, VAPI - 396 195. Mobile No. 98243 02806

Health Corner - हाथ की पाँच उँगलियाँ

हमारे हाथ की पाँचों उँगलियाँ शरीर के अलग अलग अंगों से जुडी होती हैं। उँगलियों पर धीरे से दबाव डालने से शरीर के कई अंगो पर प्रभाव पड़ता है।

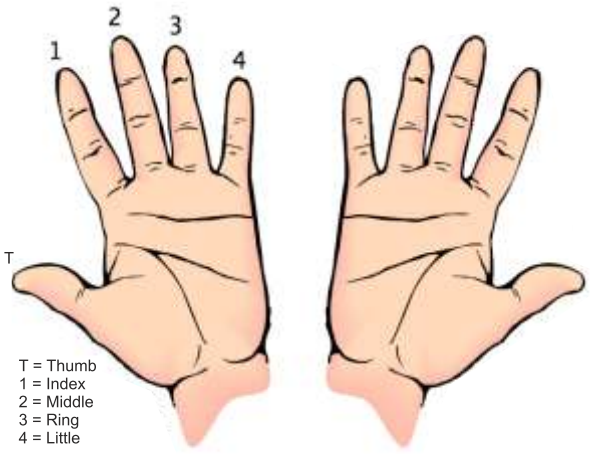

१. **अंगूठा (Thumb)**

हाथ का अंगूठा हमारे फेफडों से जुड़ा होता है । अगर दिल की धड़कन तेज है तो हलके हाथ से अंगूठे की मालिश करने व उसे खींचने से आराम मिलेगा।

२. **तर्जनी (Index Finger)**

ये उंगली आंतों (gastro intestinal tract)से जुडी होती है। अगर पेट में दर्द है तो इस उंगली को हल्का सा रगडने से दर्द गायब हो जायेगा।

३. **बीच की उंगली (Middle Finger)**

ये उंगली परिसंचरणतंत्र (circulatory system)से जुडी होती है। अगर चक्कर आए या जी घबराए तो इस उंगली पर मालिश करने से तुरंत राहत मिलेगी।

४. **तीसरी उंगली (Ring Finger)**

ये उंगली मनोदशा से जुडी होती है । अगर मनोदशा सही नहीं है तो इसकी मालिश करने व खींचने से शांति मिलेगी।

५. **छोटी उंगली (Little Finger)**

छोटी उंगली का किडनी और सिर के साथ सम्बन्ध होता है। अगर सिर में दर्द है तो इसे हल्का सा दबाने व मालिश करने से आराम मिलेगा व किडनी भी तंदरुस्त रहेगी।

The History Of Our National Flag

a

The National Flag was first hoisted on August 7, 1906 at the Parsee Bagan Square in Calcutta (now Kolkata). It was designed with three horizontal stripes of green, yellow and red colours with eight white lotus in the green stripe, white crescent on the left and a white sun on the right in the red stripe and the ***Vande Mataram*** slogan in hindi on the central yellow band.

The credit for designing the first version of the present national flag goes to Pingali Venkayya at Bezwada in 1921. It had red and green stripes representing two major communites in India. In the centre was a traditional spinning wheel, symbolizing Gandhiji's goal of making Indians self-reliant by fabricating their own clothing.

रंग भरो प्रतियोगिता

HAPPY
REPUBLIC DAY

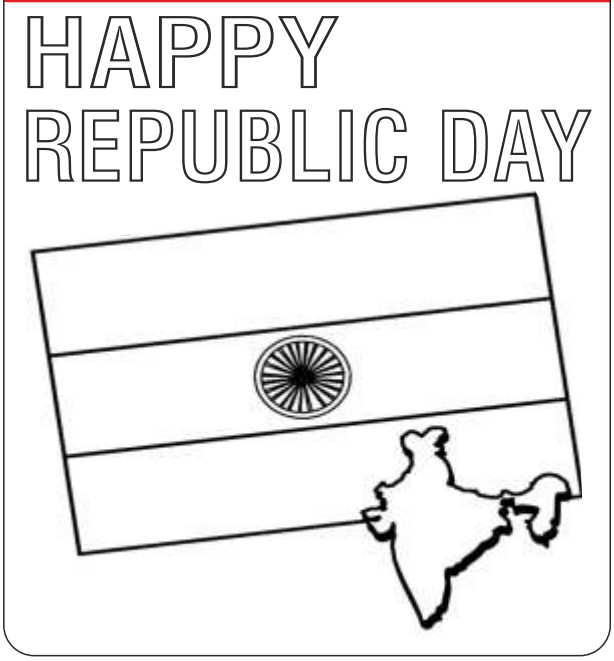

खेल खेल में

RIDDLES

What is **X ?**

17 24 93 14 X 31 41 39 42 71

पिछले अंक में जो रिडल्स पूछे गए थे उनके सबसे ज्यादा सही जवाब देने वाले का नाम हैं

YogeshPoddar, Ahmedabad
Hardik Patel, Vapi
Iradat Ansari, Vapi

रिडल्स के सही जवाब इस प्रकार हैं-

1. TON
'2. C' Sea
3. Needle
4. All 12 Months

Last edition Sudoku completed by:
Yogesh Poddar, Ahmedabad
Yogesh Mistry, Vapi

रिडल का सही जवाब व चित्र में रंग भर कर आपको 15th February तक भेजने है।
३ सबसे सुंदर चित्र को सरप्राईज ईनाम दिया जायेगा व उनका नाम प्रकाशित किया जायेगा ।
जिनके भी रिडल के जवाब सही होंगे, उनमें से लकी ड्रॉ के द्वारा 5 नाम चुन कर संवाद के अगले अंक में उत्तर के साथ प्रकाशित किए जाएँगे ।

GLIMPSE OF EVENTS

Achievements

KK Jewels, Ahmedabad got first prize for **"Best Accessory Jewellery of the year 2019 in India"** by IJ Awards

Emerging Brand Leadership Award

KK Jewels, Ahmedabad Received ***The Best Bridal Jewellery Store*** award by Hon. **Shri Vijay bhai Rupani.** Chief Minister of Gujarat

ANNUAL MEET 2019 AT NIMBAHERA

Motivational Training by Mr. Shetal Gonsai in Annual Meet, Nimbahera

Felicitation by JCI Vapi

Men's Day Celebration at MLL House, Vapi

Satchandi pooja at Ambethi Factory, Vapi

Diwali Poojan at MLL House, Vapi